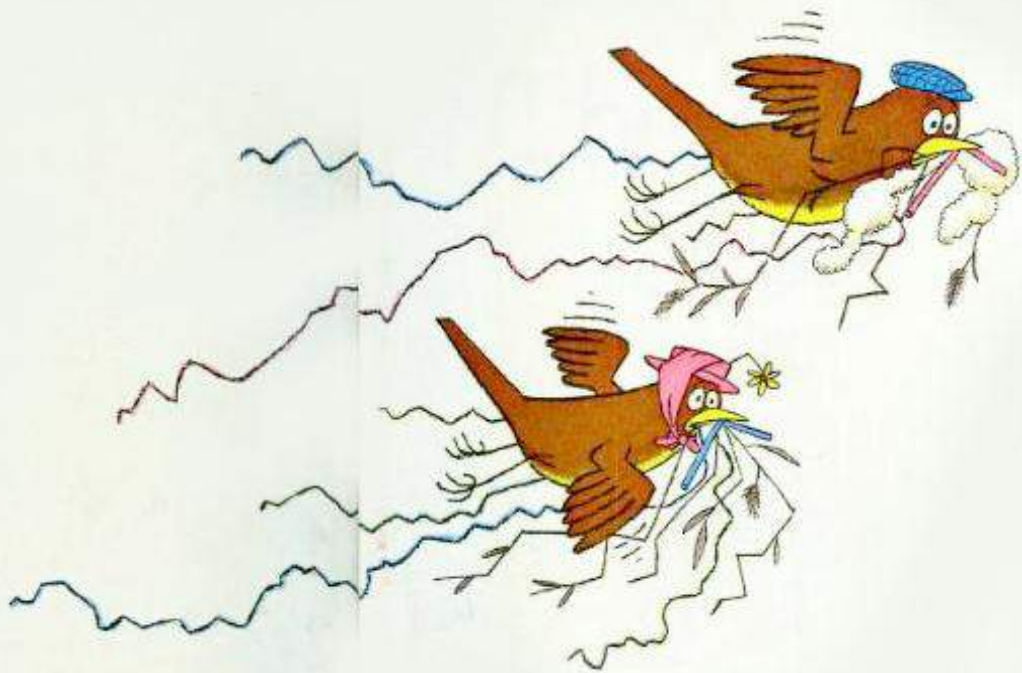


सबसे अच्छा घोंसला





सबसे अच्छा घोंसला

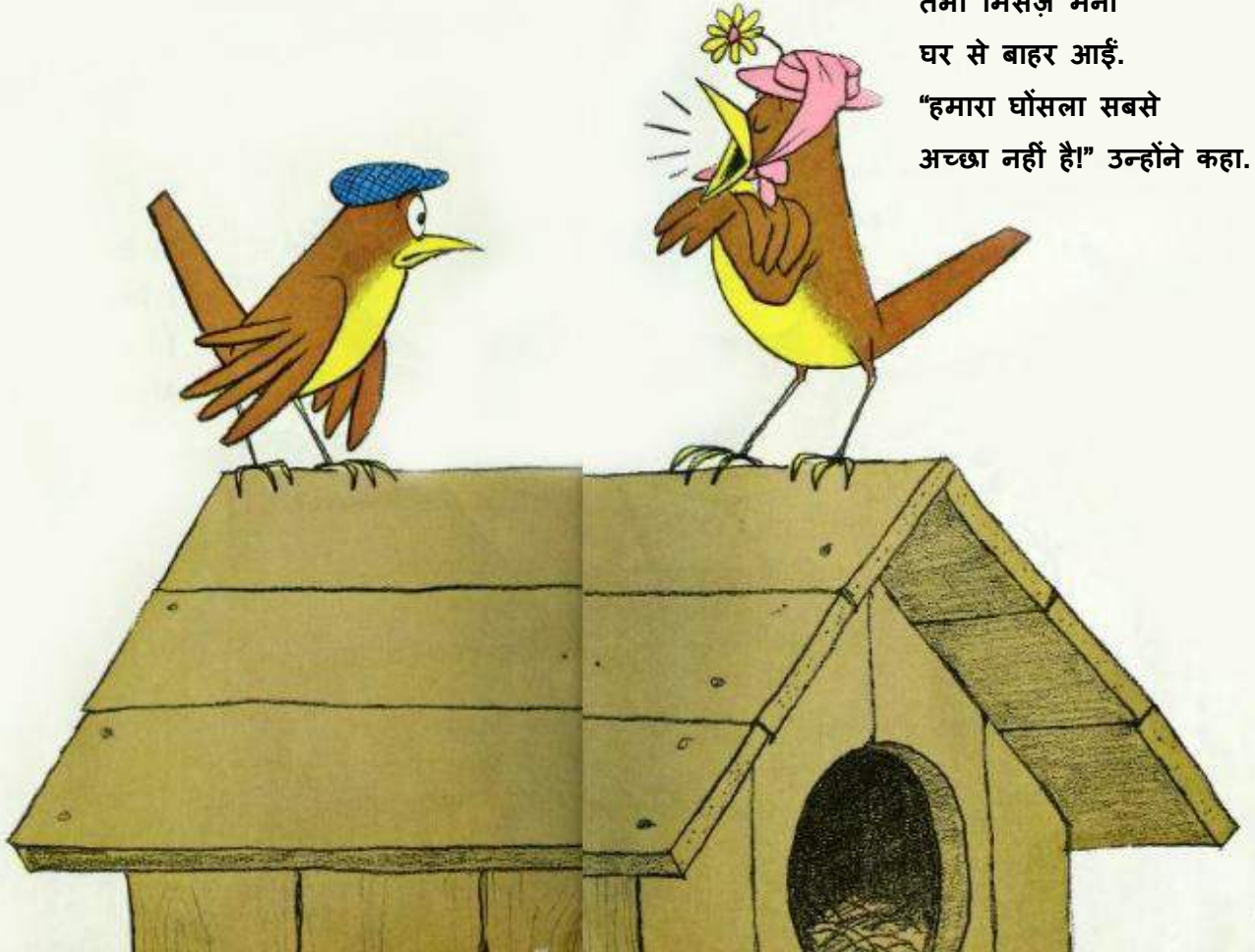


मिस्टर मैना खुश थे.
वो इतने खुश थे कि
वो गाना गाने लगे.
यह था उनका गीत :

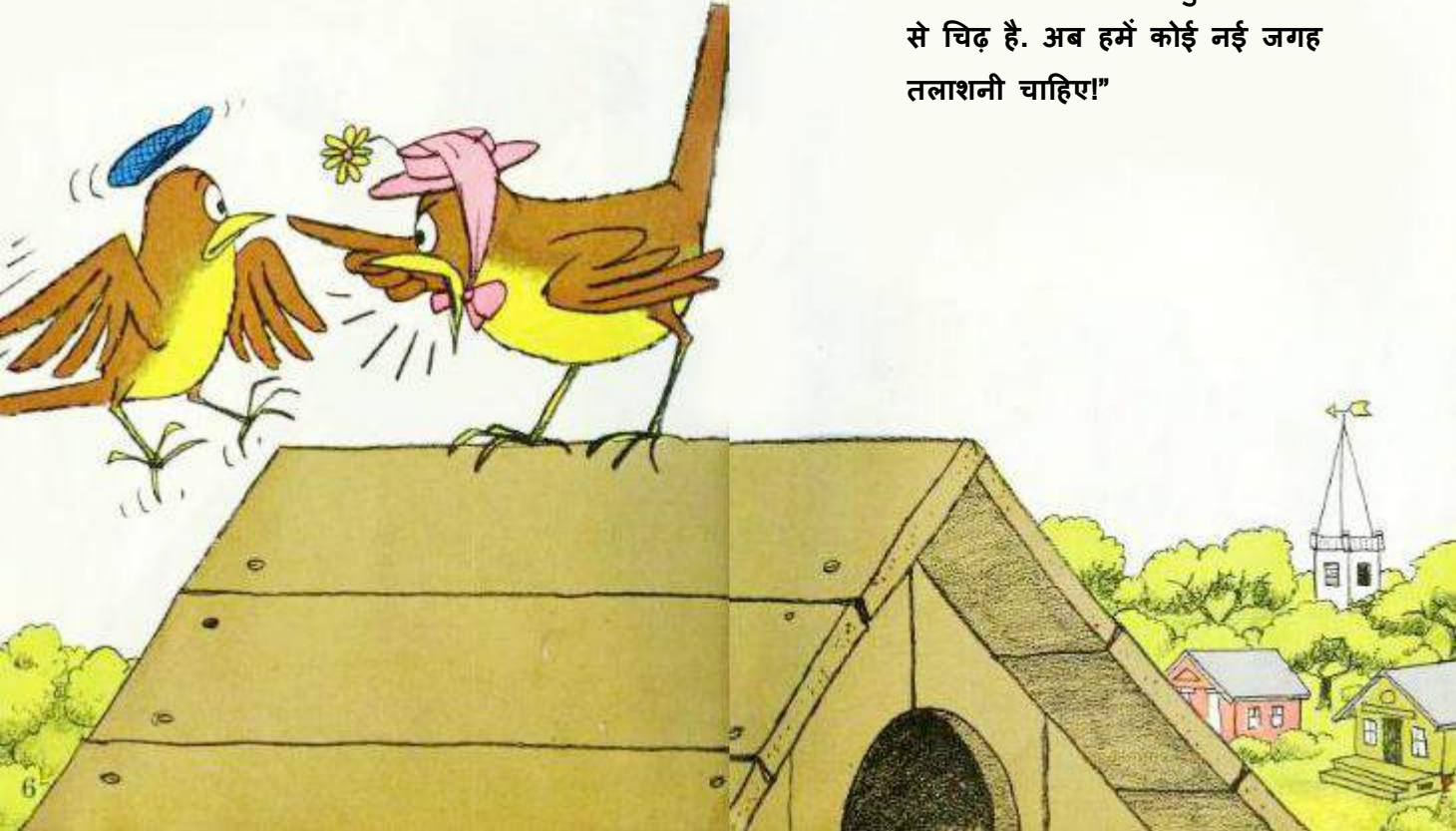
“मुझे अपना घर पसंद है.
मुझे अपना घोंसला पसंद है.
पूरी दुनिया में मेरा
घोंसला सबसे अच्छा है!”



तभी मिसेज़ मैना
घर से बाहर आई.
“हमारा घोंसला सबसे
अच्छा नहीं है!” उन्होंने कहा.



“में अब इस पुराने घर ऊब चुकी हूँ,”
मिसेज़ मैना ने कहा. “मुझे इस घर
से चिढ़ है. अब हमें कोई नई जगह
तलाशनी चाहिए!”



फिर उन्होंने अपनी
पुरानी जगह छोड़ दी
और नई जगह खोजने निकले.

“पेड़ का यह कोटर अच्छा लगता है,”
मिसेज़ मैना ने कहा.
“चलो यहीं घोंसला बनाते हैं.”



पर वहां पर कोई पहले
से ही रह रहा था.



फिर उन्होंने दूसरी जगह की तलाश की.
“यह जूता अच्छा लगता है,” मिस्टर मैना ने कहा.
“और उसमें कोई रह भी नहीं रहा है.”





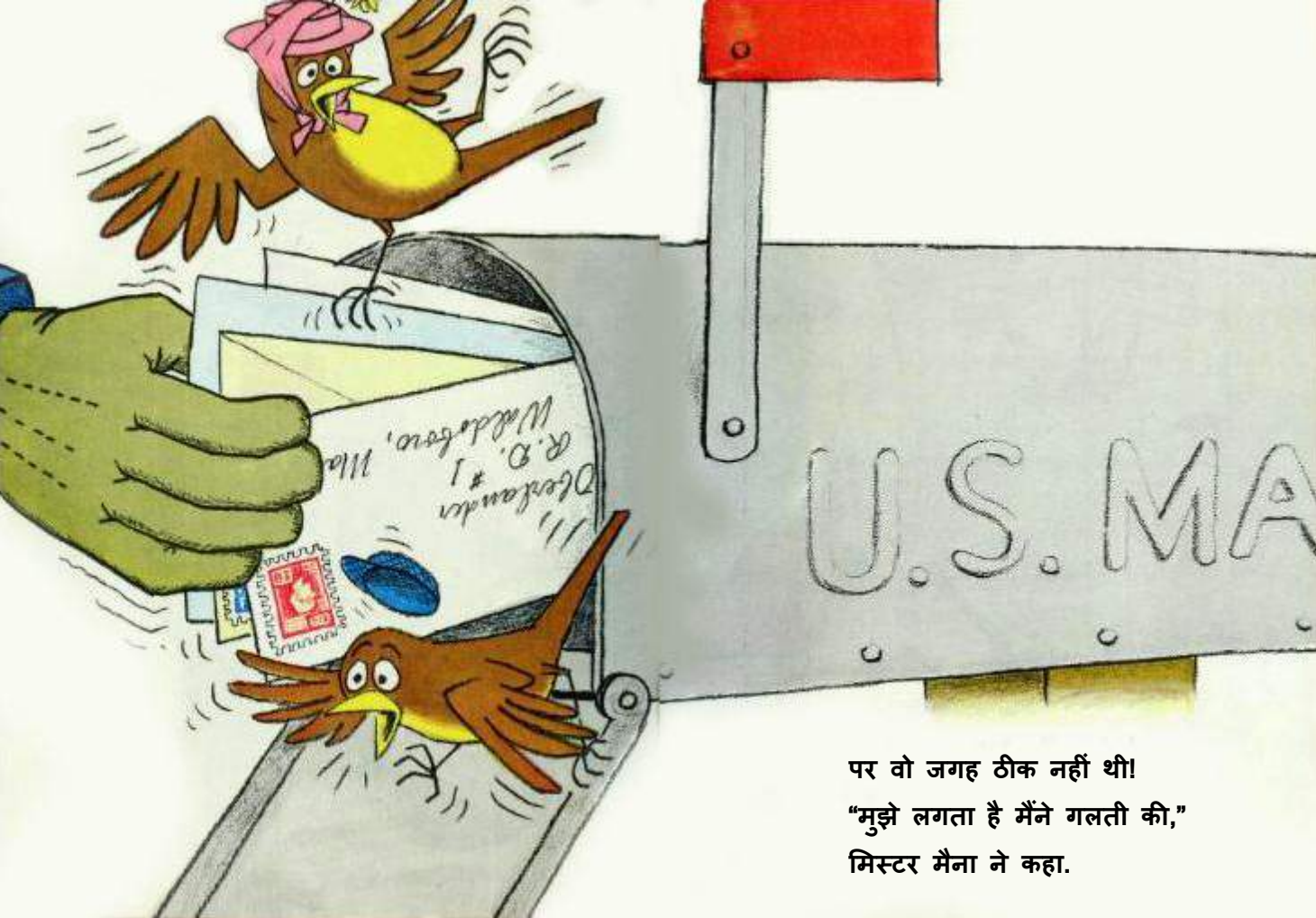
“तुमने ठीक से नहीं देखा,” मिसेज़ मैना ने कहा.
“वो जूता किसी के पैर का है!”



“मेरी भी हमेशा से इच्छा थी
एक झंडे वाले घर में रहने की,” मिसेज़ मैना ने कहा.
“मुझे लगता है कि यह जगह हमारे लिए ठीक रहेगी.”

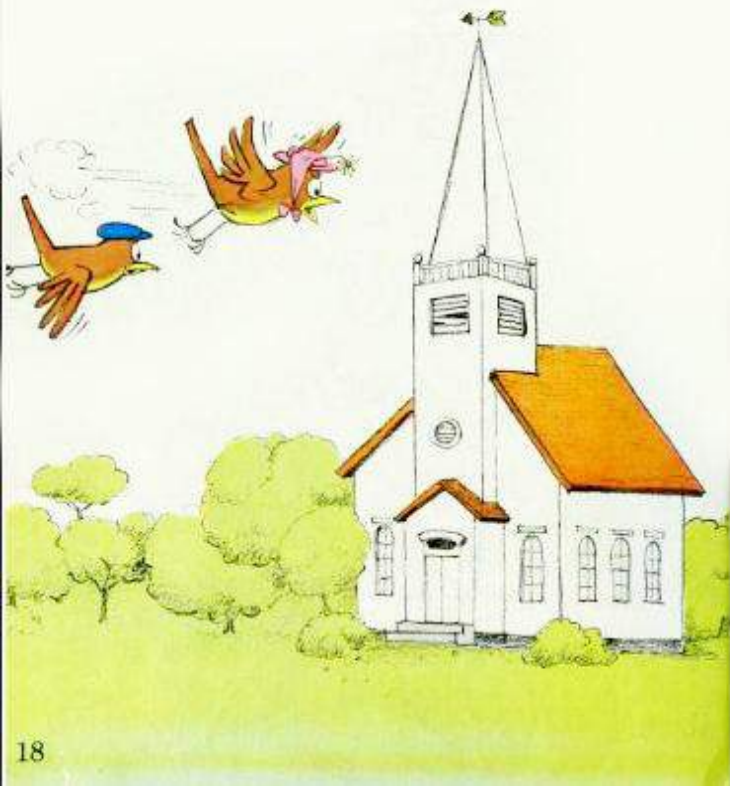


फिर उन्होंने और ढूँढा, और खोजा.
“मुझे यह जगह अच्छी लगती है,” मिस्टर मैना ने कहा.
“इस डाकघर के ऊपर एक सुन्दर
लाल झंडा भी है.”



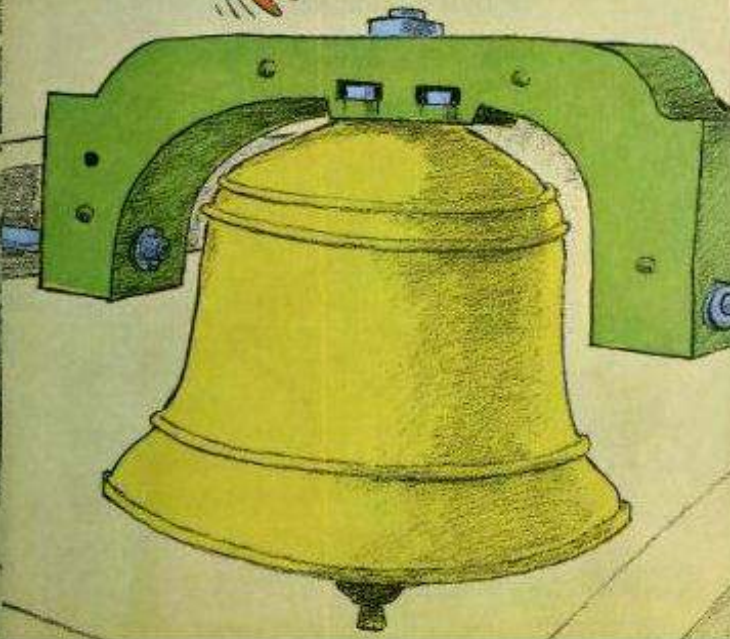
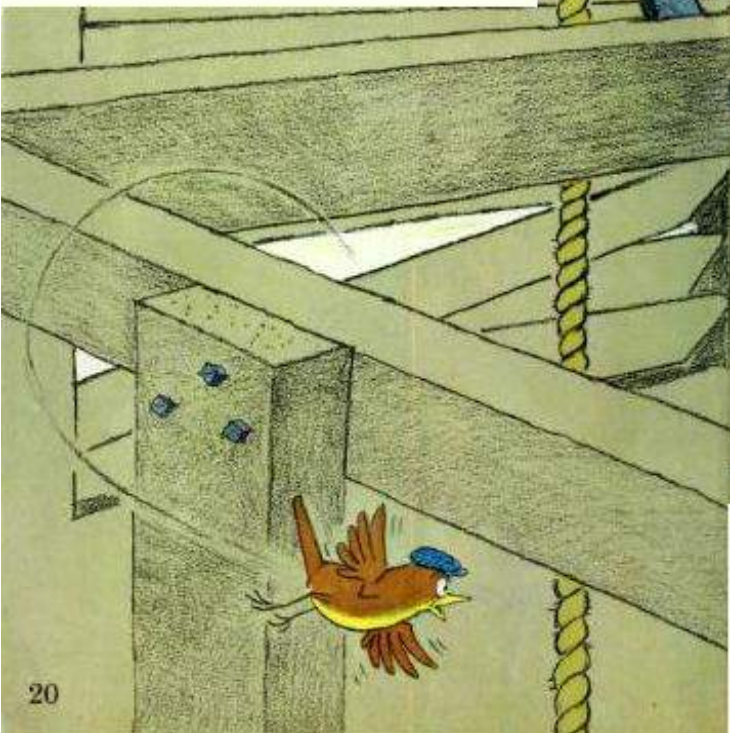
पर वो जगह ठीक नहीं थी।
“मुझे लगता है मैंने गलती की,”
मिस्टर मैना ने कहा.

“तुम बहुत गलतियाँ करते हो,”
मिसेज़ मैना ने कहा.
“अगली बार मैं घर चुनूंगी.”



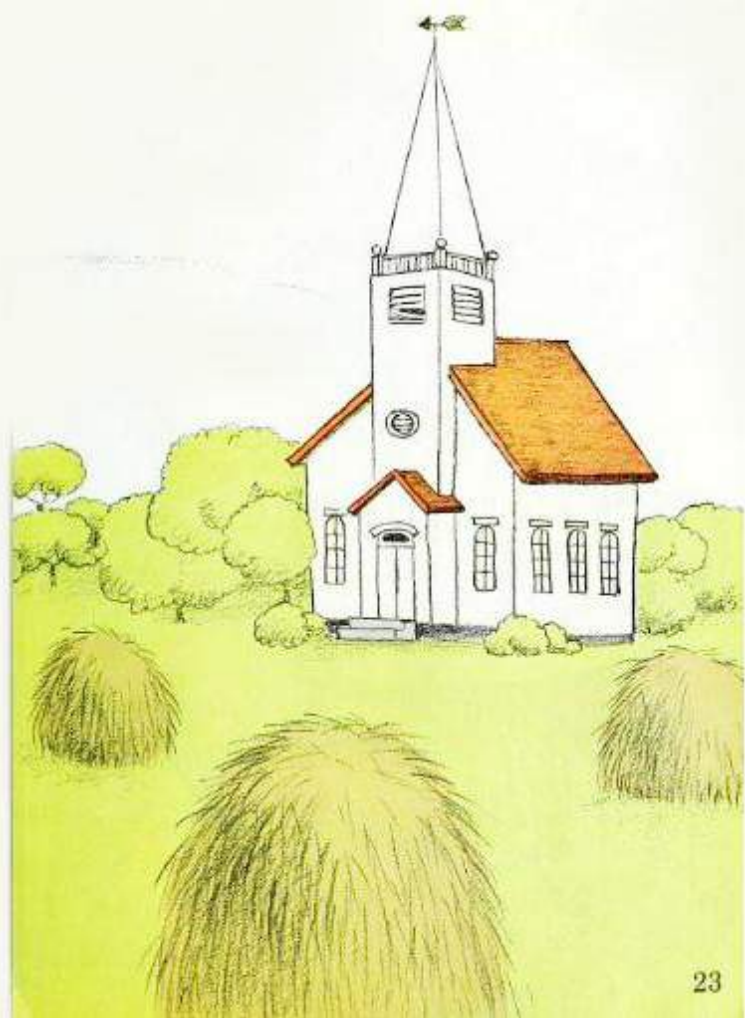
“देखो, यहाँ होगा हमारा नया घर!”

फिर दोनों उड़कर अन्दर गए.
उन्होंने आसपास देखा.
“यह कहीं बहुत बड़ा तो नहीं है?”
मिस्टर मैना ने पूछा.



“मुझे ऐसी बड़ी जगह ही पसंद है,”
मिसेज़ मैना ने कहा. “इस नई जगह
पर ही हम अपना घोंसला बनायेंगे.”

फिर दोनों पति-पत्नी काम में लग गए.
घोंसला बनाने के लिए उन्हें
कई चीज़ें चाहिए थीं.
पहले वो कुछ पुआल लेकर आए.



फिर कुछ प्लास्टिक की स्ट्रॉ लाए.



और झाड़ू की सीकें लाए.



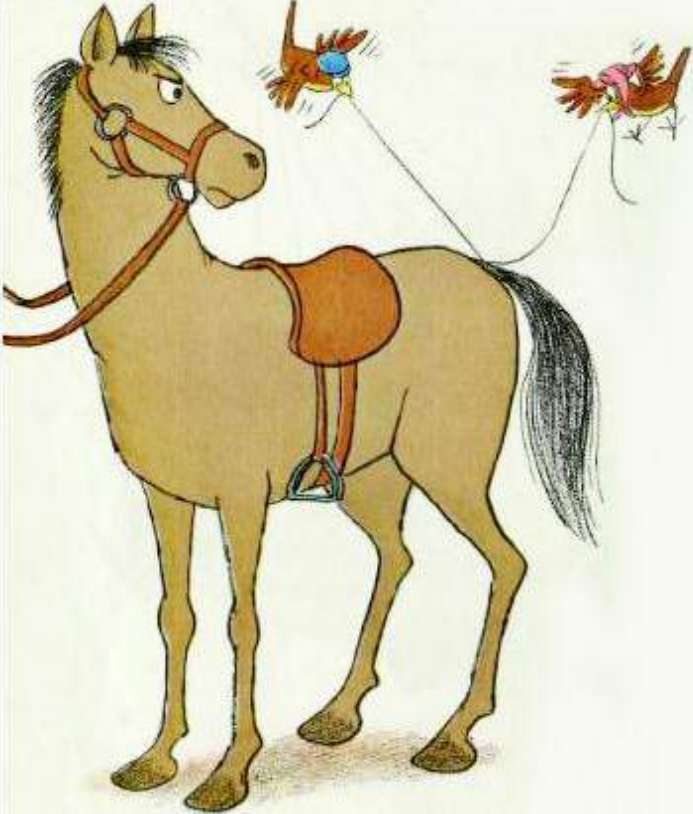
कुछ स्वेटर का ऊन लाए.

मोर्जों के कुछ धागे लाए....



.... गद्दों की कुछ रुई लाए.





घोड़े की पूँछ के बाल लाए.

आदमी की दाढ़ी के कुछ बाल लाए.

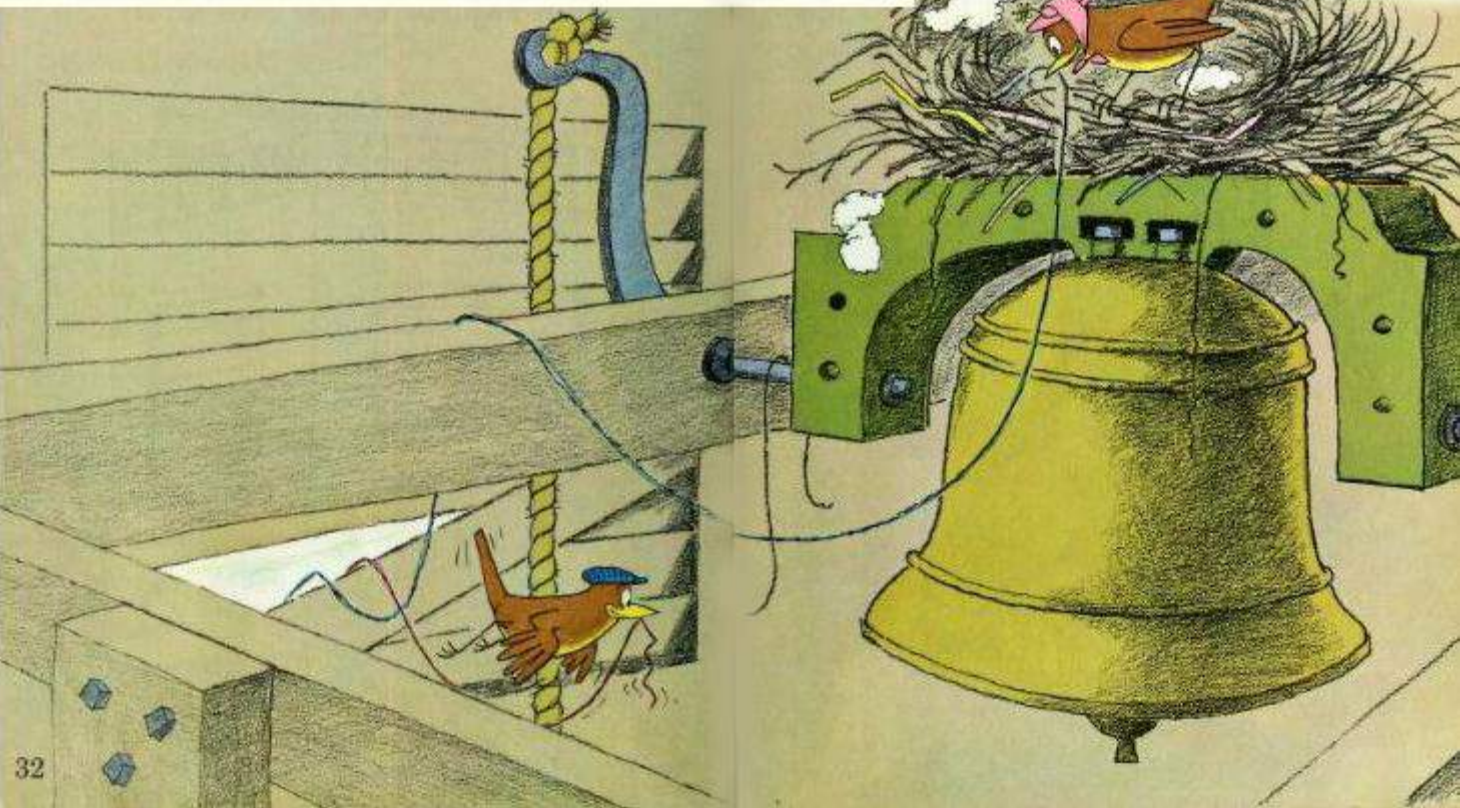


अंत में उनके पास
सारा पुआल, डोरा, धागा,
रुई, घोड़े के बाल,
आदमी के बाल
इकट्ठे हो गए.
वो घोंसला बनाने के लिए
यह सारा सामान लाए.



मिस्टर मैना और मिसेज़ मैना ने
बड़ी मेहनत से काम किया.
घोंसला बनाते हुए पूरी सुबह बीत गई.

“यह घोंसला सबसे अच्छा है!” मिसेज़ मैना ने कहा.
“मैं यहाँ पर हमेशा रहना चाहूंगी.”





मिस्टर मैना भी बहुत खुश थे.
वो अपने नए घर के ऊपर उड़े.
उन्होंने अपना गीत दुबारा गाया :

“मुझे अपना घर पसंद है.
मुझे अपना घोंसला पसंद है.
पूरी दुनिया में मेरा
घोंसला सबसे अच्छा है!”

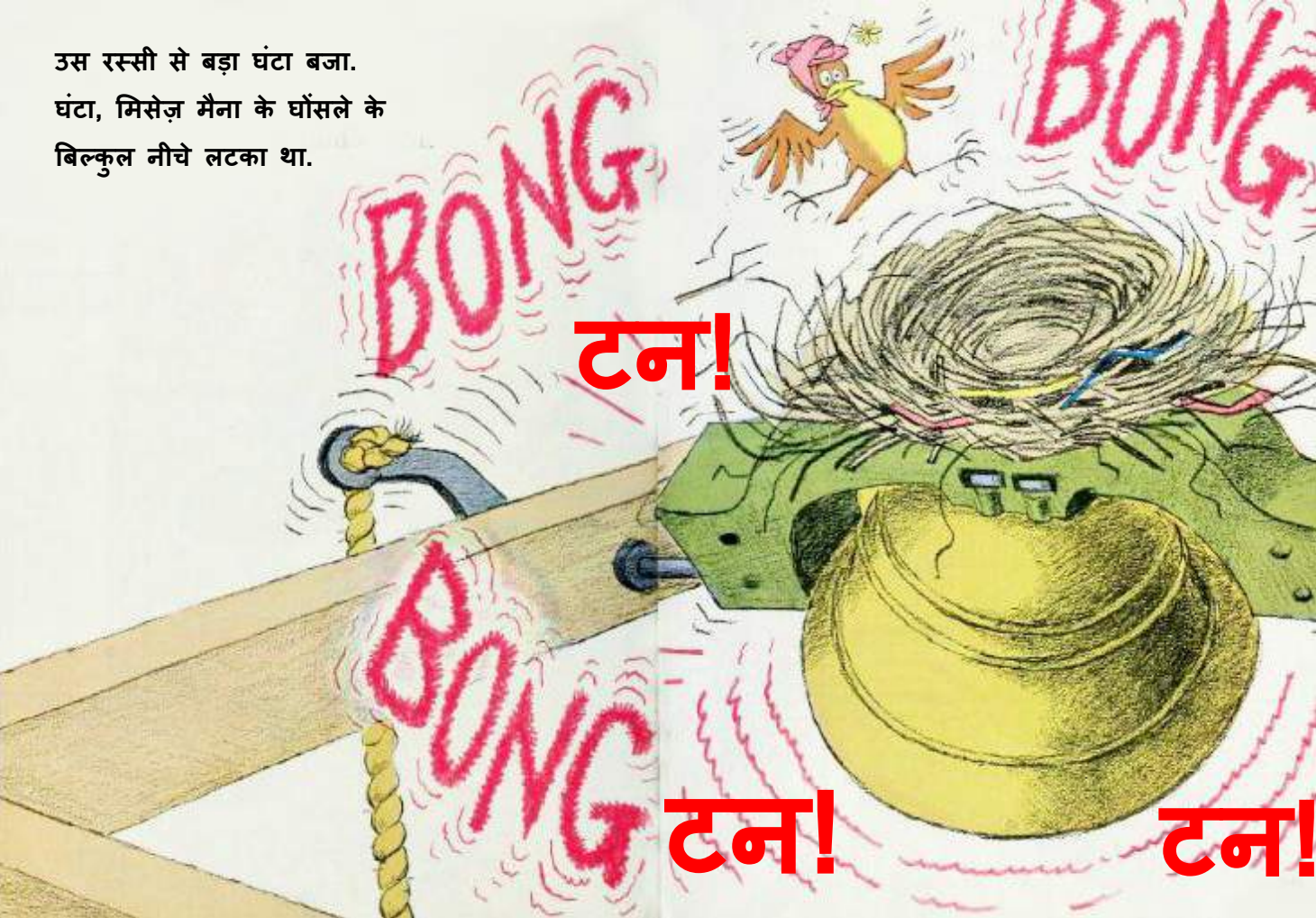


वो गाने में इतने मगन थे
कि उन्होंने चर्च का घंटा बजाने वाले
मिस्टर पारकर को आते हुए तक नहीं देखा.

हर रोज़ दोपहर बारह बजे
मिस्टर पारकर चर्च में आते थे.
वहां आकर मिस्टर पारकर
चर्च के घंटे की रस्सी खींचते थे.
वो रस्सी सीधी चिड़ियों के
घोंसले तक जाती थी.



उस रस्सी से बड़ा घंटा बजा.
घंटा, मिसेज़ मैना के घोंसले के
बिल्कुल नीचे लटका था.



मिसेज़ मैना अपना घोंसला छोड़कर
वहां से बहुत तेज़ी से भागी.



टन!

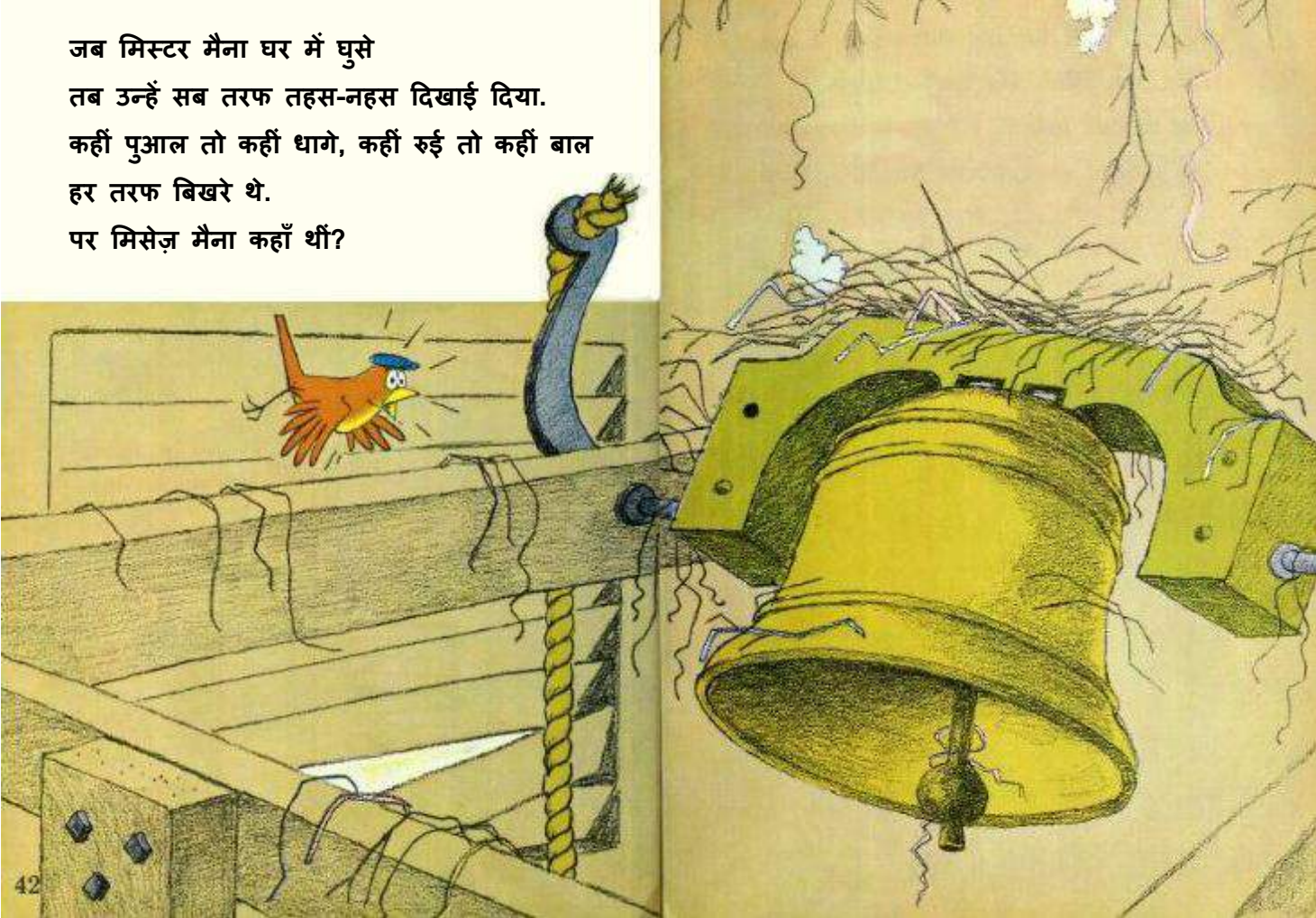
टन!

BONG
BONG
BONG
BONG

BONG
BONG
BONG



जब मिस्टर मैना घर में घुसे
तब उन्हें सब तरफ तहस-नहस दिखाई दिया.
कहीं पुआल तो कहीं धागे, कहीं रुई तो कहीं बाल
हर तरफ बिखरे थे.
पर मिसेज़ मैना कहाँ थीं?



मैं उन्हें तब तक खोजूंगा

जब तक मैं उन्हें ढूँढ नहीं निकालता," मिस्टर मैना ने कहा.

फिर उन्होंने इधर देखा, उधर देखा.

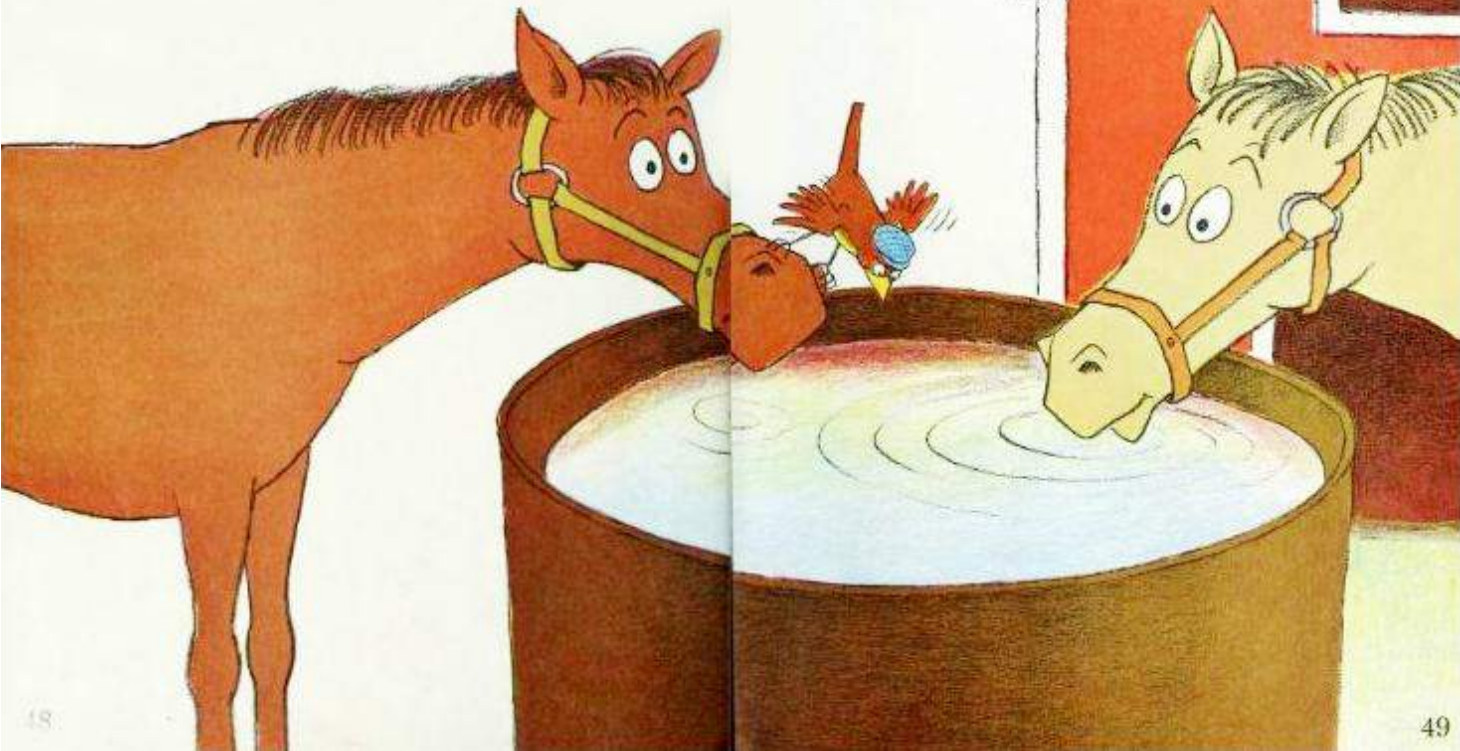
उन्होंने मिसेज़ मैना को सब जगह खोजा.



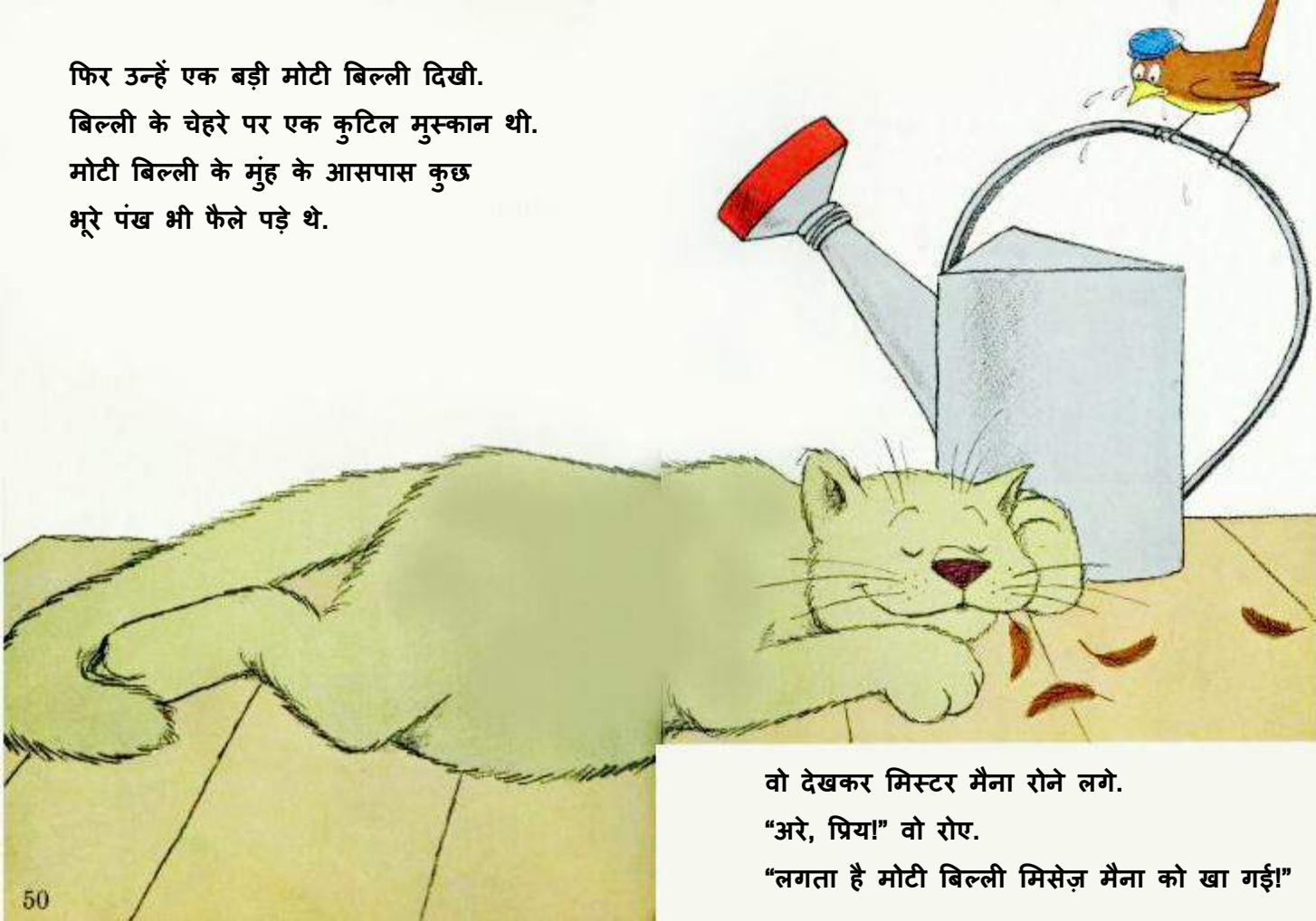


मिस्टर मैना ने चिमनी में झाँका
वहां भी मिसेज़ मैना नहीं थीं.

मिस्टर मैना ने पानी की टंकी में देखा
मिसेज़ मैना वहां भी नहीं थीं.



फिर उन्हें एक बड़ी मोटी बिल्ली दिखी.
बिल्ली के चेहरे पर एक कुटिल मुस्कान थी.
मोटी बिल्ली के मुंह के आसपास कुछ
भूरे पंख भी फैले पड़े थे.



वो देखकर मिस्टर मैना रोने लगे.

“अरे, प्रिया!” वो रोए.

“लगता है मोटी बिल्ली मैसेज़ मैना को खा गई!”



फिर वहां से मिस्टर मैना उड़े.
“अब मैं मिसेज़ मैना को
कभी नहीं देख पाऊँगा,” उन्होंने रोते हुए कहा.
अब अँधेरा होने लगा था.
साथ में बारिश भी होने लगी थी.
बारिश बहुत तेज़ी से बरसने लगी.
मिस्टर मैना को कुछ दिखाई नहीं दिया.

धड़ाम!



धड़ाम!

मिस्टर मैना किसी चीज़
से जाकर टकराए!

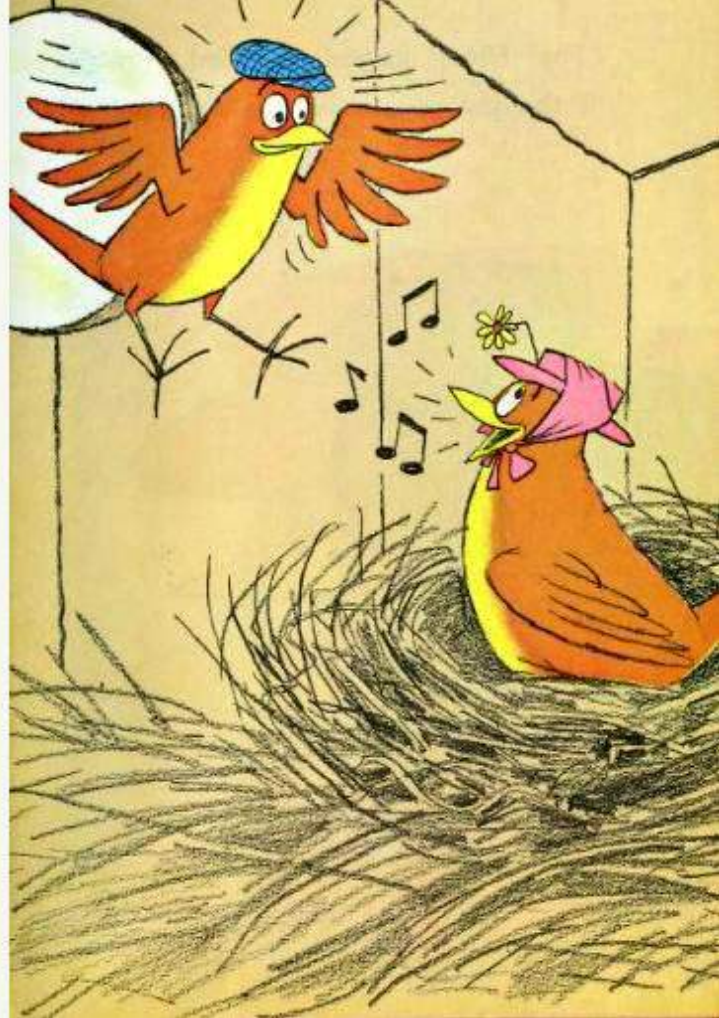
मिस्टर मैना अपने पुराने घर से जाकर टकराए थे.
यह वही घर था जिससे मिसेज़ मैना को नफरत थी.



“मैं पुराने घर में छिपकर बारिश से बचूंगा.
वहां मैं बारिश रुकने तक आराम करूंगा.”

मिस्टर मैना अन्दर गए.
वहां अन्दर उन्हें कौन मिला?
मिसेज़ मैना!
वो अन्दर बैठकर गीत गा रही थीं.

“मुझे अपना घर पसंद है.
मुझे अपना घोंसला पसंद है.
पूरी दुनिया में मेरा
घोंसला सबसे अच्छा है!”

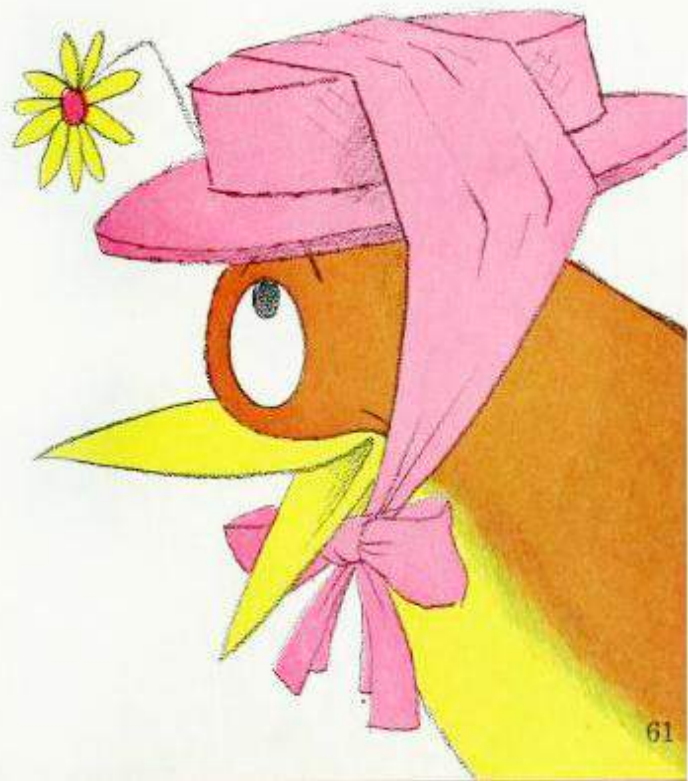
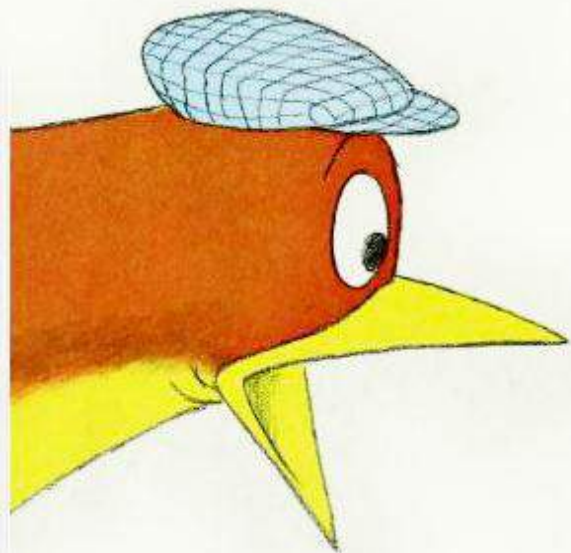


“अरे! तुम यहाँ,”

मिस्टर मैना खुशी से चिल्लाए.

मुझे लगा था कि तुम्हें इस

पुराने घोंसले से बहुत चिढ़ है!”



मिसेज़ मैना मुस्कराई.

“मुझे वाकई इस घर से चिढ़ थी,” उन्होंने कहा.

“पर अब मैं माँ बनने वाली हूँ

इसलिए मैंने अपनी राय बदली है!

क्यों! ठीक है न

....एक नई नन्हीं जान के लिए

पुराना घोंसला ही सबसे अच्छा होगा!”



और जब अंडे में से चूड़ा निकला
तो उसे भी यह बात ठीक लगी!



